

1423

ASHA ARCHIVES

1423

ASHA ARCHIVES

महाराष्ट्र शासनाच्या कार्यालयात
१४२३

१४२३

ॐ नमो वक्ष्यामि ॥ नमो श्री गुरु कर्णव्याय ॥ समना ह ले दुमा व धा अ सा को ॥
 हिना धीमते वज्र दा काय द्या कि निव कु व नि मि पं रु को न पि को या यो गो धी ॥
 यजु गाने नमो वल वरु का य धि ने से ल प वे ध ना यो के कि ल प व हि न्य ता व ल
 य नमस्व धा ॥ ॥ ध्या न ॥ ॐ स्व हा वा म हो हं स व घ म्मा नि हा व म हो हं ॥ स न्य ग
 हान वज्र हा वा नम को हं ॥ स हि मी स नो नो न ते र्य हं व ज्ञां तं श्री गुरु वे र्क क
 पू मा पि टा स न स लि तं म हो तं ल वं का वि व र्णा का ट मा न द व्या पि णी म रु डा ॥
 र्णा ॥ वज्र वज्र घं षो ध र्य अ प ल रु डा र्णा ॥ ग अ रु म्मा नि ल व र्य ॥ ह डि यं रु डा ॥
 र्णा ॥ न द म्मा नि ल व र्णा ॥ व रु षे रु डा र्णा ॥ प र म र्णा स ॥ यं रु म रु डा र्णा ॥ क लि क प

१. खरु मरु जात्याः प्रियवत्स मरुदमिदिद्याद मरुजं, वरुमचमिदि न्युजं: कथं
मरुसंतिष्ठं कथायमात्मायः कथं मरुदयं अहं मरुदुधं विनः, विस्वव जाजातमायं
नः विकृस्म लनं डतां कतिपयनः मरुमयादियमा न्योते, वायुदमानि सनं साह नय
मिथामाया मलाधरात्तातं, कथि कोयव कथं लमिथामनि विरुषिर्तां ज्ञा कथं विः
तत्तममिदिम द्योषकिर्निर्तं, खलोय मिठाविष्ठु विद्याः खतिमन्दि तीमदिर्तं, तस्यागतां
तथावर्गिंयकवर्त्तुं, नकमखादि रुजाप्रिनेम ककंसातगता घदमन्दि मेखयामरुजा
लिगिर्न कथायदस्म, दस्ममाया द्योषया दकिन्त्यतडियर्हिदि सा, सर्वान च कर्तुः
निवडिका, कथं योना मिव स हां कजाः, धीवन्ति यद्विर्णीया, अक्को दयाने मद्द

या नाम दास बा क य नाम का । ॐ श्री वरु हें हें व ल वा हें ॥ ॐ स क ति १ हूं रु ठ गू कू १ हूं रु
 ठ ॥ गू कू प य १ हूं रु ठ ॥ आ न यो दो रा ठा व न वि श्या यो अ हूं रु ठ ॥ द वि न द से अ का य
 न स ख स लु ॥ वा स हें स अ का ल न च लु सै स लु ॥ म हें द हें से हें ॥ यो दो ठ द य
 ॥ ॥ ॐ द सै न दि स्वा दा ॥ वा ख ठ हें हें हें रु ठ रु ठ ॥ अ व अ गु वि न्या स ॥
 ॐ वं दा या दा मा हें हें हें रु ठ रु ठ ॥ ॥ खे व अ वि नान थो य ॥ ॐ द ह द य
 द न दि सि व मि स्वा दा हें मि स्वा यो ॥ वा ख द लु ध द ये हें हें दो ॥ अ कू थो रु रु स वा ला
 रु द य ॥ थ त ड व या दा गे न न्या स ॥ ॐ व न ता ॥ दो यो दो मा ॥ द द यो ॥ दो मा व कः
 रु द यो ॥ सि व ठि ॥ हें हें मि स्वा यो ॥ रु रु रु रु ॥ स वा ला थो गं द द य ॥ ॐ श्री वरु

ददयत्र कर्दंरुद ॥ दकिनिजातसम्वयस्वादा ॥ उंखलायाहेहेरुद ॥ सखदि धी
 ना ॥ उंघेनुयोंदेसेवविघ्नाननचययदं ॥ यकादिस्तन ॥ ॥ उंमेषप्रिथीतव
 अस्वादा ॥ वयिआधिलिन ॥ उंआहंर ॥ महुयधिसन ॥ ॥ उंहदोदीअधस्ताः
 दा ॥ पाकेन्यास ॥ ॥ पनपित्वासेन्यतावयतः ॥ दीकोवनयमहाऊन ॥ माकोवन
 मासकि कृष्णादिजुओः वउदसहं कोवनअकोरा कृष्णावर्णवजस ॥ ततयतक
 लाननुविहुदपसतयनदः ॥ सोहिअखलादा ॥ उंसेवहकृकासिनिमवकभधनदा
 वजिनाकोधस्वयिसवद्वववापिनिसवभयरहं ॥ उंअमंतअमिटेपुवंस्यहंस्वा
 दा ॥ उंवअहुमहं ॥ पूंऊंउंअंलौयांघंमोंकोउंकिंकेलौकोऊंघंमोंसांमूंनंमूंमूं

कौ॥ उं (भायति धेय त्वय कस्तुः कस्तु पञ्च को मया प को पया पक मम साय लभाः
उं आसा नमो व कस्तुः उं या गो मय कस्तुः उं आन मान व कस्तुः ॥ न तो ल द य म को
वजा द व नु मा लु या पति कस्तुः का व ल कस्तुः का व ल नु ॥ द द का व न ॥ आः
विका ली प की य म कस्तुः कस्तु मया य म द कस्तु व पति न म व कस्तु म व उ वी क
विम विरु कस्तु मया व पस्तु (ध व या व न वी द ना स्त धा व ज म यः स क्त
न स्त (ध व ज म यः स व र थो ठा ग लो ग्री द य क व ज ॥ ॥ व क्त वि मी
हो व जः स व यो (ध व व जः दान यो ०० व जः व ज के या ग व जः स व म क य
व जः स व म क न य व म य व जः ॥ प चि वि धा उ पा ग निः आ प द्वा रु मा व ति न क
ध उ वा क र नि वा य ह्य उ प म न पु र्व ली आ प मा द्वा उ य म क वि नि नि ए व

क (ध धा ली ग न य व व ग म वि ॥ हं का व र य म क री उं ग्री व ज द द य व क र क ठा
ल का ये ॥ हं उ हं व द पा या र म ना म य वि य क्त ल हा ॥ ॥ पा द य वि य म म ॥
उं आ व ज द द य व कस्तु रू ॥ उं जीः द द हं हं रू ॥ उं व ज र य व नि य हं रू ॥ उं स व
व द द कि नि य व ज व द य हं हं रू ॥ उं द कि नि ये हं हं रू ॥ उं य म यि हं हं रू ॥ उं र व नु
गो द हं हं रू ॥ उं य पि नी य हं हं रू ॥ उं व ज क या ग ता हं हं रू ॥ उं स म य क या क को य हं हं
रू ॥ उं वि म स ये क या ग ता क हं हं रू ॥ उं क व र हं हं रू ॥ उं य र ली वि य हं हं रू ॥ उं क व र
हं हं रू ॥ उं व ल वि ये हं हं रू ॥ उं व द र हं हं रू ॥ उं य ता म ठि य हं हं रू ॥ उं आ म
य र म दो ना सा य हं हं रू ॥ उं का त य र वि य म वि य हं हं रू ॥ उं जी र व व वि य हं हं

[illegible]

ॐ अमदा काय हं हं ॥ ॐ अमद क्षि निय हं हं ॥ ॐ येम सखि निय हं हं ॥ ॐ वदु गाय हं
हं ॥ ॐ गदा गाय हं हं ॥ ॐ जा यो क य हं हं ॥ ॐ कय क क्षि वना य हं हं ॥ ॐ अह हा सा
य हं हं ॥ ॐ असी कु न नि वा स नि य हं हं ॥ ॐ घा ला ध का य य हं हं ॥ ॐ कि लि क य य
हं हं ॥ ॐ य य ॥ ॥ पख पदा य य ॥ ॥ ॐ वज स स स ग म क वज य ल ग ना
कु मे । वज ध स ग य य न । वज क म क यो कु के ॥ ॥ ॐ वज वि द हं ॥ ॐ वज व य ज
ॐ वज म दे ना ॥ ॐ वज म य ज ॥ ॐ वज द हं ॥ ॐ वज ग हं ॥ ॐ वज स ग न हं ॥ ॐ
ॐ वज य हं ॥ ॐ वज ध य ॥ ॐ वज ग न हं ॥ ॐ वज ग य म ॥ ॐ वज द हं ॥ ॐ वज
वज ॥ ॐ य स वज ॥ ॐ ध म वज ॥ ॐ न स म हं न मा मि हं न मा न म ला दा हं ला दा ॥

वडासाहाय्यम् ॥ सुदि ॥ सवस्त्रज्ञानसद्वहः अगदह्यसाधकः चित्तानाम्
त्रिवहुत्वाऽप्यसमयेनमासुते ॥ तयन्तु ॥ उं नमस्तुभ्यं विवे विनेसायहं
ह ॥ उं मदाकपातीवमनिरायाहं ह ॥ उं अदामकृतीकायाहं ह ॥ उं उतावयालो
हिरनमूषायाहं ह ॥ उं सदगुरुजसासकयायाहं ह ॥ उं यत्रासास्वयममलखत्वा
अत्रिनाहं ह ॥ उं वासुतिंजीनविबधयायाहं ह ॥ उं मसाधसाधकायावयाखायाहं ह
॥ हं हि आदियाऽद्य ॥ अन्तिमन्यातानत्रयं त्रैलोक्यं हं हं निरुतिवित्तये
अवयवतंकुकोयायत्रिकुटीर्या ॥ यत्रासंयुतात्रयसंयुतात्रयनेमहिर्गतावाह
हात्रेसोतकिंकीनिर्जोयुमिर्नखविठिवज्रवत्तुहात्रनिर्हसधिकृतमुहसः

हिलेकुर्यकदिद्यहं यतासास्त्रकियासयादि विमुक्तिदेवतदयत्रिकायपत्रिनेतयि
स्वपमेमादत्रकुरुकाकसयान्तिना ॥ तद्विष्णुलिकातीदीनैर्गुनेनवदुस्यसमु ॥ यत्रा
सापत्रिआधयाधमत्तुयसुष्टीदत्रकसमासुत्रयं विताका ॥ तसवस्त्रज्ञानसत्तादिहिगाः
गनिमालपयस्ते ॥ याचनादिविद्यासदितेनृयधजयगाकावक्तुवादिक्तुगिगनृय
पृथक्कृमात्रिदिहि ॥ कयकिमलयावदित्तवाधिविहिमयेषु कयस्यविषयमनिः
मृत्समहिस्त्रियामानत्रयवज्रादिहि ॥ यत्रनियमानेमेगालगीदिहि ॥ अत्रिष्यकामदावज
विष्णुकनमस्तुतेददामिस्ववहानी ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ तवतुं सवतथागतिमः
मयद्यीयहं ॥ हं दत्तसववहानीविष्णुकनमस्तुतेददामिस्ववहानी ॥ यत्राधमकनयसु

ब्रह्म॥ॐ सवद्वदामहिसकृदपिदुस्त्वादा॥सकृदननाय॥ ॥ॐॐवे
लअतिपिदुहं॥ॐ ब्रह्मवजिअतीरिदुहो॥ॐ धर्मवजिअतिपिदुहो॥ॐ काम
वजिअतिपिदुहो॥ॐ उदकमर्ककठवजिअतिपिदुहो॥ॐ यशस्व
वहम्वकायवाटअर्षपुतिदुस्त्वादा॥ ॥पृथ्वीनाम॥ॐ आर्योवायवजिअति
वजिअर्षपुतिदुस्त्वादा॥ॐ आर्योअर्षावायवजिअर्षपुतिदुस्त्वादा॥ॐ आर्योवजि
सहवायवजिअर्षपुतिदुस्त्वादा॥ॐ आर्योअर्षितावायवजिअर्षपुतिदुस्त्वादा॥
ॐ आर्योअमकसिद्धीयवजिअर्षपुतिदुस्त्वादा॥ॐ आर्योवायवजिअर्षपुतिदुहो॥
स्त्वादा॥ॐ आर्योसामकियवजिअर्षपुतिदुस्त्वादा॥ॐ आर्योपादावायवजिअर्षपुतिदु

[illegible]

7423

ASHA ARCHIVES

૧૫૨૩

ASHA ARCHIVES

જે પ્રકારે મોલકાને જાણ
જાણીએ તે પ્રકારે જાણીએ

જે પ્રકારે મોલકાને જાણ
જાણીએ તે પ્રકારે જાણીએ

Koh C

यं कायं नयमेतु संधनया नै निवर्तयुक्तप्रपत्ता काकिं द। गदयत्रिकाय नमि सलुयं
 कायं नयं वरुं का ला किं नै। गदयत्रिका को नै सप्रि मनु कयाय नय का ल दाय दया अन
 ॥ उं गुगल क लो दी के ॥ उं हं गुं औ रं यौ मां पां नौ कायं नै दधि म्हेत पचा म्हेत पचा पुत्र यः
 न नि सा दवा यय लि नै प ठा लि त गि ली मा पु वि र्हे से या दि के म हि न व हा नै व र्हे नु व न प
 ह्म न न पाय द व र्हे नै व र्हे ॥ उं हं कायं न नै क र्मा ना प र्ण प लि म्हे न्ना ॥ उं मां हं का
 नै क र्मा ॥ र्ण प र्ण प लि त नै। ग लो दृ टि त य कि नो दि स दि व्वा कि वि त्र वि त्ता त्र यी नो र्
 मृ नै प रि प र क र्मा व र्णा या न नि व र्क र्मा कृ षा र्क र्मा द र्क कायं यि त्ता स मा प नि प र
 ॥ ॥ पादा द्य प पा या स र्ग व द्वा द्वा दि ॥ प र्क प र्क य प ॥ वा य्वा यु ति ॥ ॥ अ

दृक्प्रसक्तमुद्रवत्तनकमयाय। सम्यक्ज्ञानावहासतकयायनमहं। तममेतुनममे
 कुनमानमहं ह्यहं त्वानमम्यामि कुत्रधायेपुनिधाम्॥ १ ॥ यस्यापुसादकिने
 त्विद्विनामकत्वायत्नेपुतापत्रिकयायुहताभकाया॥ चक्षुर्कनात्रदृष्टम
 विनासमवेकस्येनमस्तुमित्रियंमुद्रतात्कयाय॥ २ ॥ नमावृक्षयमुद्रवः
 नमाभ्यर्मायतात्रन। नमासंघायमदहंमे। यिष्योयिमहंनम॥ ३ ॥
 सर्ववधत्तमस्यामि। धर्मकुजिनतावि। संयोज्यात्रसंयन्त्रत्तदयमस्यः
 हो॥ ४ ॥ सर्वपुनितिसामर्थ्य। जनमाश्रयता। यधवा। अदहंमनः। आः
 वा। अहंतात्रमेयामी॥ ५ ॥ वृद्धधर्मोदात्ता। हंमे। वा। अहंतिर्कयासमः। स्वययाः

येपुनिरय॥ ६ ॥ उन्मादयामिवत्रवाधिविर्क। निमलुयामिअहंसर्वस
 ॐ वासुकिप्रवत्रवाधिवित्रीः वृद्धाहवः। देऊतामिदिताय॥ ७ ॥ देवतानीस
 वसेपाणनी। यन्तानावा नमोदना। कृतायेसंयोज्यामि। आ। यो। सो। गो। पा
 वधो॥ ८ ॥ वत्रि॥ ॐ अकात्रमेखसर्वधर्मा नीमाशनपनत्वा ॐ आ। हं। हृ। स्वा
 दा॥ ॥ एष्यन्तामी॥ ॐ ह्राय स्वादा॥ ॐ यमाय स्वादा॥ ॐ वयस्य स्वादा॥ ॐ
 कृताय स्वादा॥ ॐ आग्नेय स्वादा॥ ॐ नैमल्य स्वादा॥ ॐ वायव्य स्वादा॥ ॐ
 धीनाय स्वादा॥ ॐ उधवस्व स्वादा॥ ॐ सूर्योय सुदाधिवत्त स्वादा॥ ॐ यत्ताः
 नक्रुताधीयत्त स्वादा॥ ॐ अथर्वविद्यीय स्वादा॥ ॐ असुत्र स्वादा॥ ॐ नागहा

सा ॥ ॐ सर्वविद्यायाः कृपाय नमः ॥ ॥ यद्येवमिति ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
 कथायामर्थिकाः दशदिक्कृष्णमावीयाः लोकपात्रेन समासाहे ॥ ॥ वशिष्ठायाः
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कथितो मद्रथः देवाः समासाः सुविदुः सत्ताः ॥ ॥ यद्येवमिति ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नित्यं कथितं यत्तु ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 सप्तमं दशमं सप्तमं सप्तमं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दशमं कर्म सप्तमं सप्तमं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

धेयुधविषयापुनरागतसनायसहनेसहनेमहाहा॥ ॐ वज्रमधुवम ॥
 ॐ निविमरूदा ॥ ॐ ॥ भुव ॥ ॐ वज्रमधुवम ॥ ॐ ॥
 मेहनय्य स्वाहा ॥ मन्त्राकिनिडलत्रयविराव्यजनिनिर्वकालजंयमि
 नननापत्रमयकेलभमाकात्रजंभुवधमोदयानलसुविराव्य ॥
 नदनसुसुविजविद्वेकायविभमभेसुसुदवनाविचिक्तसुद्वीजः
 मयुखीयुगेस्तानसत्वमानियपुनतादस्यदद्यात् ॥ नर्वेसमयसत्वयवः
 (ॐ) मरुतामदविनुयवाधिविर्लब्ध्यामनहनचिक्तयन्विद्वेवसमः
 यवदवनास्तानननेकेहनचिक्तयन् ॥ ॐ सर्वनथागनमहाया

(ग) ७५ बी. के. ॥ १ ॥ ॐ वज्र रुद्रं ॥ ३ ॥ निजा जन ॥ ॐ ४५ ॥
 सर्वधर्मा नामाद्यनयनत्वा ॥ ॐ ४६ ॥ रुद्रं ॥ ॥ ॐ ४७ ॥ रुद्रं ॥
 नृपतिं ४८ ॥ ॥ ॥ ॐ ४९ ॥ वज्रं कर्म के ॥ ५० ॥ वज्रं ॥ ५१ ॥
 रुद्रं ॥ ५२ ॥ ॐ ५३ ॥ वज्रं मधिसर्वपद्मज्ञानसंतोषकं यद्रुद्रं
 ॥ ५४ ॥ ॐ ५५ ॥ वज्रं नृकर्म वलमलयनयकं रुद्रं ॥
 ५६ ॥ ॐ ५७ ॥ वज्रं नृकर्म वलमलयनयकं रुद्रं ॥
 ५८ ॥ ॐ ५९ ॥ वज्रं नृकर्म वलमलयनयकं रुद्रं ॥
 ६० ॥ ॐ ६१ ॥ वज्रं नृकर्म वलमलयनयकं रुद्रं ॥

नवलमकगार्डवलवडसगमृगियवजयानिसुषवलायकालाजाकलाः
रुनुयालवृक्षंवेनायनाजं गिरुवननमिगविननिर्येस्यवदाथोतुगसवाः
धमिधिविमनसुमलसुमर्थं अत्रवाधिसत्य तुगसवाधसिधिविसलसुमनस
मर्जत्रवाधिसगो॥ ॥ उद्यागातत्रचकुविद्विक्तातासुलादगाधालि
उद्यारुत्रचकुतानीनर्ववृतावेद्विक्तासुजादगाधालितितितयातिपाकसहि
विसधनावतावधरुनत्रसासावदसदाहातावावविवापनाथावडलादीका
यातु। अयंतवसंभुसिधूनप्रवलायुनसहएहएसिधूनवृकयामहयेन